काया कुटिया निराली जमाने भर से भजन लिरिक्स

काया कुटिया निराली,
जमाने भर से,
दस दरवाजे वाली,
जमाने भर से।**bd**।

सबसे सुन्दर आँख की खिड़की,
जिसमें पुतली काली,
जमाने भर से।
काया कुटीया निराली,
जमाने भर से,
दस दरवाजे वाली,
जमाने भर से।**bd**।

सुनते श्रवण नासिका सूंघे,
वाणी करे बोला चाली,
जमाने भर से।
काया कुटीया निराली,
जमाने भर से,
दस दरवाजे वाली,
जमाने भर से।**bd**।

लेना देना ये कर करते हैं,
पग चाल चले मतवाली,
जमाने भर से।
काया कुटीया निराली,
जमाने भर से,
दस दरवाजे वाली,
जमाने भर से।**bd**।

मुख के भीतर रहती रसना,
षट रस स्वादों वाली,
जमाने भर से।
काया कुटीया निराली,
जमाने भर से,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दस दरवाजे वाली,
जमाने भर से।bd।

काम क्रोध मद लोभ मोह से,
बुध्दि करे रखवाली,
जमाने भर से।
काया कुटीया निराली,
जमाने भर से,
दस दरवाजे वाली,
जमाने भर से।bd।

करके संग इंद्रियो का मन,
ये बन बैठा जंजाली,
जमाने भर से।
काया कुटीया निराली,
जमाने भर से,
दस दरवाजे वाली,
जमाने भर से।bd।

इस कुटिया का नित्य किराया,
स्वास् चुकाने वाली,
जमाने भर से।
काया कुटीया निराली,
जमाने भर से,
दस दरवाजे वाली,
जमाने भर से।bd।

काया कुटिया निराली,
जमाने भर से,
दस दरवाजे वाली,
जमाने भर से।bd।

स्वर – पूज्य राजेश्वरानंद जी महाराज।
प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार, आकाशवाणी सिंगर।
9785126052

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com